(ख) और (ग). राजस्थान में सिंचाई के लिये प्रत्याशित परिव्यय और लाभ निम्नलिखित हैं:—

	1969-70 के लिये परिव्यय		प्रत्याशित लाभ	
	बजट प्रत्याशित (लाख रुपये)		शक्यता (एकड़)	समुपयोजन
भाखड़ा परियोजना . . .	4	4	—	—
व्यास परियोजना यूनिट-दो . .	780	780	—	—
राजस्थान नहर चरण-एक . .	480	800	58000	51000
चम्बल परियोजना चरण-एक और दो .	60	60	—	60000
गुड़गांव नहर	24	24	14000	14000
मध्यम सिंचाई परियोजनाएं .	67	67	7000	8270
			79000	133270

राजस्थान में 1969-70 के अन्त तक बृहत् और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं से कुल 24.34 लाख एकड़ क्षेत्र की सिंचाई प्रत्याशित है ।

जापान में एक्सपो–70 प्रदर्शनी पर खर्च

5592. **श्री ओंकार लाल बोहरा :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री न० रा० देवघरे :
श्री एम० नारायण रेड्डी :

क्या **वैदेशिक व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जापान में एक्सपो–70 प्रदर्शनी पर सरकार द्वारा कुल कितना धन खर्च किया गया तथा वह धन किन-किन शीर्षकों के अन्तर्गत खर्च किया गया ;

(ख) भारतीय मंडप में कुल कितने व्यक्ति नियुक्त किये गये हैं तथा उनमें भारतीय, जापानी तथा अन्य देशों के कितने-कितने हैं तथा वे किन-किन अन्य देशों के हैं ;

(ग) प्रदर्शनी के समाप्त हो जाने के बाद भारतीय मंडप का किस रूप में उपयोग किया जायेगा ;

(घ) इस प्रदर्शनी के कारण भारत को किस प्रकार के तथा कितने लाभ हुए हैं और विदेशों में भारतीय माल की खपत में कितनी प्रगति हुई है ; और

(ङ) कितने स्टाल खोले गये हैं ; उन स्टालों पर कुल कितना धन खर्च किया गया है तथा क्या कुछ स्टालों को उपयुक्त स्थान न मिलने के कारण रद्द करना पड़ा ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री राम सेवक) : (क) विदेशी व्यापार मंत्रालय के भाग लेने पर 195 लाख रु० का व्यय होने का अनुमान है जिसमें 100 लाख रु० की विदेशी मुद्रा भी शामिल है ।

28 फरवरी, 1970 तक 93.41 लाख रु० का कुल व्यय हुआ जिसमें विदेशी मुद्रा में किया गया 80.43 लाख रु० का व्यय शामिल

है । यह राशि निम्नलिखित मोटी-मोटी मदों पर खर्च की गयी ।

(1) एक्सपो का संगठन ।

(2) अमले तथा महिला परिदर्शकों की प्रतिनियुक्ति ।

(3) ओसाका में नियुक्त अमले के वेतन तथा भत्ते ।

(4) भवन निर्माण सामग्री, प्रदर्शन सम्बन्धी सहायक सामान, सजावट के सामान की खरीद, भाड़ा और बीमा आदि ।

(ख) विदेशी व्यापार मंत्रालय के 31 अधिकारी और भारत में भर्ती की गयी 26 महिला-परिदर्शकों को ओसाका में भेजा गया है । इस के अतिरिक्त जापान निवासी 70 भारतीय राष्ट्रिकों और 6 जापानी राष्ट्रिकों को भी भारतीय मंडप में नियोजित किया गया है ।

(ग) एक्सपो विनियमों के अनुसार एक्सपो के पश्चात् मंडप गिरा दिया जाना है । फिर भी इस अवस्था में यह बताना सामयिक नहीं होगा कि अन्ततः मंडप का किस रूप में उपयोग किया जा सकेगा ।

(घ) एक्सपो का उद्घाटन 15 मार्च को हुआ था और यह छः महीने तक चलेगी । इसमें भाग लेने के फलस्वरूप होने वाले लाभ का अभी से अनुमान लगाना संभव नहीं है । अभी तो यही पता चलता है कि इसमें भाग लेने का असर पड़ा है । भारतीय सूवनीर और पकवान लोकप्रिय हो रहे है । 31 मार्च, 1970 तक मौके पर हुई बिक्री की राशि 14.88 लाख रु० है ।

(ङ) मंडप के भवन में स्थित एक जलपान गृह और सूवीर दूकान के अतिरिक्त एक्सपो क्षेत्र में भारत को 5 दूकानें और एक जलपान गृह भी एलाट किया गया है । जलपान गृह और दुकानें बनाने के लिए 8 लाख रु० के बराबर विदेशी मुद्रा का प्रारम्भिक व्यय किया गया । हमारे अनुरोध के बावजूद एक्सपो प्राधिकारी हमें और दुकानें एलाट नहीं कर सके ।

गैर-सरकारी/सरकारी क्षेत्र में प्रतिरक्षा साज-सामान का निर्माण

5593. **श्री ओंकार लाल बोहरा :** क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने यह सुनिश्चत करने के लिये कौन से कारगर उपाय किये हैं कि प्रतिरक्षा साज-सामान का निर्माण गैर-सरकारी क्षेत्र के कारखानों में न किया जाये तथा केवल सरकारी क्षेत्र के कारखाने ही इन आवश्यकताओं को पूरा करने में समर्थ हो सकें ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : 1956 के औद्योगिक नीति संकल्प में दर्शाई गई सरकार की औद्योगिक नीति के अनुसार आयुधों और गोलाबारूद का निर्माण केन्द्रीय सरकार की एकमात्र मनापली है और आर्डीनेंस फैक्टरिएं ही सम्पूर्ण आयुधों और भरे गोलाबारूद की सप्लाई का साधन रहेंगी । तदपि, सशस्त्र सेनाओं द्वारा आवश्यक रक्षा सामानों के समस्त प्रास का निर्माण रक्षा कारखानों के सम्भव नहीं है । इस लिए अधिकाधिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए रक्षा कारखानों में प्राप्य क्षमता की अनुमूर्ति के लिए देश में राजकीय क्षेत्र और निजी क्षेत्र में उत्पादन सुविधाओं का प्रयोग करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं । न केवल निर्यात के प्रतिबदल में सहायी होगा, और इस प्रकार भारी विदेशी मुद्रा भी बचाएगा, बल्कि देश के अन्दर असैनिक क्षेत्र में क्षमता के निर्माण में भी सहायी होगा, कि जो आयात स्थिति के समय इस्तेमाल की जा सकेगी । तदपि ऐसा उस अवस्था में नहीं किया जाता कि जब आर्डनेंस फैक्टरियों में कोई क्षमता विद्यमान हो ।

Indian Journalists Denied Entry in Jeddah Meet

5594. SHRI RAM AVTAR SHARMA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the entry of Indians including Indian Journalists was banned in jeddah (Saudi Arabia) during Islamic Conference in the last week of March, 1970;